Total Pages : 8

N25DIIID01

B.A. (Semester-III)
(NEP) Examination, 2025-26
Discipline Specific Core (DSC)
HINDI LITERATURE

(Madhyakalin Hindi Kavya)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 70

निर्देश- खण्ड-अ अनिवार्य है, खण्ड-अ में 10 वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं जो 10 अंकों के हैं और 5 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं प्रत्येक के 4 अंक हैं जो कुल 20 अंकों का है।

खण्ड-ब में 8 वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्न हैं प्रत्येक इकाई में 2 प्रश्न हैं जिसमें 50% आंतरिक चयन करना है प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है, कुल 40 अंकों का है।

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

निर्देश- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

[10×1=10]

1. (i) विक्रमी संवत् 1375 से संवत् 1775 तक का समय माना गया है :

(अ) आदिकाल

(ब) भक्तिकाल

(स) रीतिकाल

(द) इनमें से कोई नहीं

(ii) मूर्तिपूजा के विरोधी कवि हैं :

(अ) सूरदास

(ब) तुलसीदास

(स) कबीरदास

(द) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'पुष्टिमार्ग के जहाज' कौन-से कवि कहलाते हैं?

(अ) सूरदास

(ब) तुलसीदास

(स) घनानंद

(द) इनमें से कोई नहीं

(iv) सूरदास की भक्ति किस भाव की है?

(अ) सख्य भाव

(ब) दास्य भाव

(स) माधुर्य भाव

(द) इनमें से कोई नहीं

(v) तुलसीदास के आराध्य हैं :

(अ) राम

(ब) कृष्ण

(स) दोनों (अ) एवं (ब)

(द) इनमें से कोई नहीं

Scanned with OKEN Scanner

(vi) रामचरितमानस किस भाषा में लिखी गई है?

(अ) ब्रज

(ब) खड़ी बोली

(स) अवधी

(द) इनमें से कोई नहीं

(vii) घनानंद किस काल के कवि हैं?

(अ) आधुनिक काल

(ब) रीतिकाल

(स) भक्तिकाल

(द) इनमें से कोई नहीं

(viii) 'सुजान सागर' किस कवि की रचना है?

(अ) बिहारी

(ब) घनानंद

(स) रसखान

(द) इनमें से कोई नहीं

(ix) कबीर के राम हैं :

(अ) पूर्ण ब्रह्म

(ब) सगुण ब्रह्म

(स) निर्गुण ब्रह्म

(द) इनमें से कोई नहीं

(x) 'भ्रमरगीत' किस कवि की रचना है?

(अ) बिहारी

(ब) रसखान

(स) सूरदास

(द) इनमें से कोई नहीं

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है। [5×4=20]

2. (i) कबीर की काव्य भाषा पर टिप्पणी लिखिए।

Scanned with OKEN Scanner

(ii) तुलसीदास का हिन्दी साहित्य में स्थान लिखिए।

(iii) घनानन्द को 'प्रेम की पीर' के कवि क्यों कहा जाता

(iv) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किसे और क्यों कहा जाता है?

(v) घनानंद के काव्य का परिचय दीजिए।

खण्ड-ब

(वर्णनात्मक उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश- प्रत्येक इकाई से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। [4×10=40]

इकाई-I

3. "कबीर एक समाज सुधारक थे, कवि नहीं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

4. "कबीर अपने युग के सच्चे प्रतिनिधि थे।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

इकाई-II

5. "सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट हैं।" उदाहरण सहित इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

निम्नलिखित पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नीके रहियो जसुमति मैया।
आवैंगे दिन चारि-पाँच में हम हलधर दोउ भैया।।
जा दिन तें हम तुमतें बिछुरे काहु न कह्यो 'कन्हैया'।
कबहुँ प्रात न कियो कलेवा, साँझ न पीन्हीं धैया।।
बंसी बेनु सँभारि राखियो और अबेर सबेरो।
मति लै जाय चुराय राधिका कछुक खिलौना मेरा।।
कहियो जाय नंदबाबा सो निपट बिठुर जिय कीन्हो।
सूर स्याम पहुँचाय मधुपुरी बहुरि सँदेस न लीन्हो।।

इकाई-III

7. तुलसीकृत 'रामचरितमानस' के सुन्दरकाण्ड की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. तुलसीदास के भावपक्ष एवं कलापक्ष पर प्रकाश डालिए।

इकाई-IV

9. "घनानन्द प्रेम की पीर के कवि हैं।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

Scanned with OKEN Scanner

10. निम्नलिखित पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हीन भएं जल, मीन अधीन, कहा कछु मो अकुलानि-समानै।
नीर-सनेही कों लाय कलंक, निरास है कायर-यागत प्रानै।।
प्रीति की रीति सु क्यौं समुझे जड़, मीत के पानि कों प्रमानै।
या तन की जु दसा घनआनंद, जीव की जीवनि जान ही जानै।।

——x——

Scanned with OKEN Scanner